Vijay Kumar Jha.
Asso prof.
Deptt in History
M.S.J. College Rajnagar.

Degree Part II

Taiping rebellion in China.

चीन मे अफीम युद्धों के बाद जो रूस फ्रांस, ब्रिटेन, जापान एवं इटली ने चीनी खरबूजे को काटकर आपस मे बंटवारा कर लिया उसमे अमेरिका भाग नहीं लिया था क्योंकि वह स्पेनग्रह युद्ध मे फंसा था अतः चीन मे प्रत्यक्ष रूप से भाग न ले पाने के कारण अपना एक नीति का अनुपालन किया जिसे Open door policy कहते है यह नीति चीन मे अमेरिका के व्यावसायिक प्रसार करने के लिये थी जिससे अमेरिका के हित चीन मे पक्की हो जाय। अतः चीन मे मंचू प्रशासन एवं विदेशी शक्तियों के हस्तक्षेप के विरुद्ध एवं उपनिवेशवाद तथा साम्राज्यवाद के विरुद्ध भयंकर प्रतिक्रियाओं हुई जिसका नतीजा चीन मे टाइपींग विद्रोह, चीन के राज्य क्रांति, बाक्सर विद्रोह हुये।

टाइपिंग विद्रोह के कारण :—

(1) चीन मे विद्रोह कि परम्परा :— प्राचीन काल से ही चीन मे प्रशासनिक अव्यवस्था एवं भ्रष्टाचार के लिये विद्रोह होते रहे है चीनी जनता सम्राट को सप्रभु मानती थी अगर सम्राट निर्बल हो जाय तो उसे सत्ता मे बने रहना नहीं चाहिए। ऐसी विचार चीनी जनता की थी अतः इस विद्रोह कि परम्परा से चीनी जनता भिज्ञ थी

(2) मंचू शासकों कि दुर्बलता :— चीनी जनता समझती थी कि चीन कि इन्हें मंचू शासन से मुक्ति दिलाना आवश्यक था अतः मंचू शासन को मार भगाना एवं मिंग वंश कि पुनर्स्थापना करना आवश्यक था क्योंकि मंचू शासन अयोग्य एवं शक्तिहीन हो गया था। चीन मे भ्रष्टाचार एवं अयोग्यता फैल गया था। टाइपींग विद्रोह के समय सियेन फेंग नामक अयोग्य शासक था।

(3) सामाजिक और आर्थिक असंतोष :— टाइपिंग विद्रोह के समय चीनी समाज दो वर्गों मे बंटा था कृषक, मिलेन, ग्रामीण

सर्वहारा ~~एवं~~ प्रथम वर्ग और दूसरी वर्ग में उच्च अधिकारी एवं ~~सम्बद्ध~~ सम्पन्न वर्ग। प्रथम वर्ग को। द्वितीय वर्ग द्वारा शोषण किया जाता था अतः प्रथम वर्ग में असंतोष था। अत. निर्धन एवं असहाय वर्ग खुलकर इस विरोध में हिस्सा लिया। वर्ग विरोधी विचार धारा कि दयनीय आर्थिक स्थित्र समाज को झकझोर दिया था। जनसंख्या कि दबाव ने कृषि पर दबाव डाला किन्तु कृषि व्यवस्था में कोई सुधार नहीं हुआ था। ~~कृषक~~ कृषकों को ऋण से मुक्ति मिलने के लिये कृषि भूमि बेचना पर रहा था

(4) दक्षिणी चीन में अकाल एवं बाढ़ का प्रकोप :— चीन कि दुर्बल आर्थिक स्थित्र ने 1846-47 कि दुर्भिक्ष एवं बाढ़ने प्राण घातक चोट पहुँचायी अतः दक्षिणी चीन में गरीबी, महामारी एवं उत्पीडन जन असंतोष का जन्म दिया।

(5) गुप्त सामितियों कि क्रियाशीलता :— चीन में कई समितियों का जन्म हो गया था जैसे — पाइल्यान चैकओ, सान हो हुई, थियेन ती हुई तथा हुँग मेन ये संस्था अपनी क्रांतिकारी विचारों के लिये चर्चित थी और प्रशासनिक निर्णयों का विरोध कर रही थी

(6) सैन्य दुर्बलता :— मंचू शासन सैना पर आधारित था किन्तु मंचू शासकों ने समय पर सेना को बेतन नहीं देते थे जिससे सेना कि वफादारी एवं कार्यकुशलता नष्ट हो गई थी सर्वसाधारण को सेना परसे विश्वास उठ गया था और सेना भी विद्रोह के लिये अग्रसर हो गये थे।

इस प्रकार स्पष्ट है कि मंचु शासन के विरोध में चीन में एक सामिलित प्रतिक्रिया जन्म ले रही थी जिस प्रतिक्रिया का उद्देश्य मँचू राजवंश एवं विदेशियों कि दखलंदाजी से चीन को मुक्त कराना था।

मंचू राजवंश कि नीतियों के विरोध में 1851 ई० में जो विद्रोह हुआ उसे Taiping rebellion कहा जाता है हुन हसिउ चुआन ने सांग ती हुई नामक समीति का संगठन कर नूतन शांति व्यवस्था कि स्थापना कि। इस विद्रोह के नेता हुंग ही था लगभग 30000 इसके अनुयायी थे, हुंग के आंदोलन को मंचू राजा ने कुचलने का अधिकार दिया किन्तु ताइपिंग विद्रोहियों ने 25 सितम्बर 1851

Sunday 19
MAY 2019
Su Mo Tu We Th Fr Sa
1 2 3 4
5 6 7 8 9 10 11
12 13 14 15 16 17 18
19 20 21 22 23 24 25
26 27 28 29 30 31

Scanned with CamScanner

को यूनान पर अधिकार कर शांति का दैवी साम्राज्य कि घोषणा कर दी। इसके उपरान्त विद्रोहियों ने क्यान एवं नानकिंग पर अपना आधिपत्य कर लिया। 1864ई० तक विद्रोह किंगा सक्रिय बनी रही। किन्तु विदेशी शक्तियों ने मंचूराजवंश से युक्त होकर ताइपिंग विद्रोहियों का दमन कर दिया क्योंकि चीन में उनका भी हित बना था। 1864 ई० में इस असफलता से दुखी होकर ताइपिंग विद्रोह के नेता हुंग सिउ ने आत्महत्या कर ली। और विद्रोह का अन्त हो गया।

यह आन्दोलन एक किसान विद्रोह था धार्मिक एवं नैतिक आन्दोलन तथा मंचू राजवंश के प्रति विद्रोह था। यह विद्रोह मंचु सरकार के विरोध में राष्ट्रीय जागरण थी। यह आन्दोलन तीन तथ्यों को स्पष्ट करता है। प्रथम तो स्पष्ट रूप से यह मंचू शासन का विरोधी था दूसरा यह विदेशी हस्तक्षेप का विरोधी था तथा तीसरा चीनी राष्ट्रीयता का संकेत था।

वास्तव में मंचू प्रशासन देश कि सामाजिक-आर्थिक विषमता पैदा कर दी थी जिसे सर्वहारा व्यक्तियों कि सामूहिक प्रयास से अंकुश लगाना चाहा

ये विद्रोह असफल रहा जिसका मूल कारण

(1) विदेशी सैन्य शक्ति के आगे विद्रोहियों कि शक्ति कमजोर होना
(2) धार्मिक कारण - चीनी जनता का कनफ्युसीयस के सिद्धान्तों पर विश्वास करना
(3) ताइपिंग सेनाओं का चारित्रिक हनन,
(4) विद्रोही प्रबल नेता कि मृत्यु आदि इसके असफलता के कारण हुये।

Scanned with Cam